दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा
एवम्
भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

के संयुक्त तत्त्वाधान में

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय संत मत : दर्शन एवं सामाजिक उपयोगिता

12-13 अप्रैल 2024

विमर्श के बिन्दु

भारतीय ज्ञान परम्परा का विकास
देशज आधुनिकता एवं मध्यकालीनता
संत साहित्य में वैश्विक मानव धर्म
भारतीय चिंतन धारा एवं संत साहित्य
संत कविता में श्रम की संस्कृति
संत भक्ति कविता का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
संत कवयित्रियाँ : सृजन और संघर्ष
अल्पख्यात संत मत और उनकी परंपरा
संत मत की आधुनिक परंपरा

बेगमपुर की अवधारणा का सच
संत कवियों का दर्शन
संन्यास एवं गार्हस्थ जीवन का द्वंद्व
वेदान्त एवं अद्वैतवाद से संत कविता का संबंध
संत कविता की दार्शनिक पृष्ठभूमि
संत कविता में जीव, माया एवं आत्मा का संबंध
दक्षिण भारत के संत
संत कविता में घर की अवधारणा
संत कविता और सामाजिक सुधार आंदोलन

महत्वपूर्ण निर्देश

शोधार्थी/प्रतिभागी उपरोक्त बिन्दुओं में से किसी विषय पर शोध-पत्र लिख कर नीचे दिए गए ईमेल पर भेज दें। रजिस्ट्रेशन कराने वाले प्रतिभागियों को संगोष्ठी के सभी सत्रों में उपस्थित होना एवं तकनीकी सत्र में शोध पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। आगरा के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को हॉस्टल में रहने की सुविधा एवं को स्लीपर क्लास (रेल) का यात्रा भत्ता प्रदान किया जाएगा। शोध पत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किया जा सकता है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ

रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि : 30 मार्च 2024
शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि : 05 अप्रैल 2024
शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि : 05 अप्रैल 2024

रजिस्ट्रेशन शुल्क

विद्यार्थियों के लिए : 400 रुपये मात्र
अध्यापकों के लिए : 800 रुपये मात्र

अकाउंट नेम : डी. ई. आई कांफ्रेंस अकाउंट | बैंक : यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया
अकाउंट नंबर : 305601010291491 | आई. एफ़. एस. सी.
कोड - UBIN0530565 | ब्रांच : दयाल बाग़, आगरा
रजिस्ट्रेशन लिंक ~ https://forms.gle/xVYYpFiNZMhCRKwz5

संपर्क

डॉ. बृजराज कुमार सिंह
ईमेल : brijrajsingh@dei.ac.in
फ़ोन नंबर : 9838709090
: 8354922954

रजिस्ट्रेशन करने के लिए स्कैन करें